

# चमकम्

## Чамакам

### Анувака 5

अश्मा च मे मृत्तिका च मे गिरयश्च मे पर्वताश्च मे सिकताश्च मे  
वनस्पतयश्च मे हिरण्यं च मेऽयश्च मे सीसं च मे त्रपुश्च मे श्यामं च मे  
लोहं च मेऽग्निश्च म आपश्च मे वीरुधश्च म ओषधयश्च मे कृष्टपच्यं च  
मेऽकृष्टपच्यं च मे ग्राम्याश्च मे पशव आरण्याश्च यज्ञेन कल्पन्ताम् ॥ १० ॥



ащма́ ча ме мритти́ка ча ме ги́раящча ме парва́тащча ме сика́тащча ме  
вана́спата́ящча ме хира́н्याм ча ме я́щча ме сй́сам ча ме трапу́щча ме щья́мам  
ча́ ме ло́хам ча́ ме гни́щча ма́ апа́щча ме ви́рудха́щча ма́ оша́дхаящча ме  
криштапа́च्याм ча́ ме криштапа́च्याм ча́ ме гра́мьящча́ ме па́шава́ а́раньящча́  
я́гнена́ кальпантам ॥ 10 ॥

Да буду я благословлён обширными землями, богатыми драгоценными  
каменьями, высокими холмами и горами, порождающими многочисленными  
реки, а также лесами, полными фруктов деревьев. Да будут мои земли  
богаты минералами, такими как золото, серебро, железо, олово, бронза,  
свинец и медь. Да будет моя земля покрыта плотным слоем  
растительности, включающей травы, культурные и дикие растения. Да  
буду я в изобилии наделён стадами и другими домашними животными,  
которые помогают нам совершать обряды жертвоприношения.

अश्मा च मे मृत्तिका च मे गिरयश्च मे पर्वताश्च मे



ащма́ ча ме мритти́ка ча ме ги́раящча ме парва́тащча ме

सिकताश्च मे वनस्पतयश्च मे हिरण्यं च मेऽयश्च मे



сика́тащча ме वана́спата́ящча मे хира́н्याम ча मे я́щча मे

सीसं च मे त्रपुश्च मे श्यामं च मे



сй́сам ча ме трапу́щча मे щья́мам ча́ ме



लो॒हं च॑ मे॒ऽग्निश्च॑ म॒ आप॑श्च मे

लो॒хам ча॑ मे॒ гни॒щча॑ ма॒ ापा॑श्चा ме



वी॒रुध॑श्च म॒ ओष॑धयश्च मे कृ॒ष्टप॒च्यं च॑ मेऽकृ॒ष्टप॒च्यं च॑ मे

वी॒रुद्धा॑श्चा ма॒ оша॑дхаяश्चा ме кри॒штаपा॑च्यां ча॑ मे кри॒штаपा॑च्यां ча॑ मे



ग्रा॒म्याश्च॑ मे प॒शव॑ आ॒रण्या॑श्च य॒ज्ञेन॑ कल्पन्ताम्

гра॒мья॒श्चा॑ ме па॒шава॑ ा॒रण्या॑श्चा॑ я॒гнена॑ кальпантам

वि॒त्तं च॑ मे॒ वि॒त्ति॑श्च मे॒ भू॒तं च॑ मे॒ भू॒ति॑श्च मे॒ वसु॑ च मे॒ वस॑तिश्च

मे॒ कर्म॑ च॒ मे॒ शक्ति॑श्च॒ मेऽर्थ॑श्च म॒ ए॒मश्च॑ म॒ इति॑श्च मे॒ गति॑श्च मे ॥ ११ ॥



वि॒त्ता॒म ча॑ मे॒ वि॒त्ति॑श्च॒ ча॒ ме॒ ब॒х॒त॒ा॒म ча॑ मे॒ ब॒х॒ति॑श्चा॒ मे॒ वा॒सु॑ च॒ मे॒ वा॒स॒ति॑श्चा॒ मे॒ क॒र्मा॑ च॒ मे॒ श॒क्ति॑श्चा॒ मे॒ र॒त्ना॑श्च॒ ча॒ ма॒ ए॒मा॑श्चा॒ मा॒ इ॒ति॑श्चा॒ मे॒ ग॒ति॑श्चा॒ मे॒ ॥ ११ ॥

Да буду я наделён способностью преумножить наследие предков своим трудом. Да буду я благословлён детьми, обладающими способностями и доблестью, необходимыми для достижения успеха в мире. Да будет у меня удобное жильё для размещения моей семьи. Да буду я обладать решимостью, чтобы успешно проводить священные обряды, ритуалы и жертвоприношения. Да буду я наделён радостью и счастьем за исполнение священных предписаний. Пусть достигну я окончательной цели жизни.



वि॒त्तं च॑ मे॒ वि॒त्ति॑श्च मे॒ भू॒तं च॑ मे॒ भू॒ति॑श्च मे॒

वि॒त्ता॒म ча॑ मे॒ वि॒त्ति॑श्च॒ ча॒ मे॒ ब॒х॒त॒ा॒म ча॑ मे॒ ब॒х॒ति॑श्चा॒ मे॒



वसु॑ च॒ मे॒ वस॑तिश्च॒ मे॒ कर्म॑ च॒ मे॒

वा॒सु॑ च॒ मे॒ वा॒स॒ति॑श्चा॒ मे॒ क॒र्मा॑ च॒ मे॒



शक्ति॑श्च॒ मेऽर्थ॑श्च म॒ ए॒मश्च॑ म॒ इति॑श्च मे॒ गति॑श्च मे॒

श॒क्ति॑श्चा॒ मे॒ र॒त्ना॑श्च॒ ча॒ मा॒ ए॒मा॑श्चा॒ मा॒ इ॒ति॑श्चा॒ मे॒ ग॒ति॑श्चा॒ मे॒